Vol 5 Issue 6 March 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review of Research

International Online Multidisciplinary Journal

ISSN: 2249-894X　　Impact Factor : 3.1402(UIF)　　Volume - 5 | Issue - 6 | March - 2016

कक्षा 9वीं के संस्कृत व्याकरण में कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूह के छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया की तुलना के आधार पर मूल्यांकन करना

दीपा रानी , रेखा प्यासे

सहायक प्राध्यापक , क्रिश्चियन एमिनन्ट कॉलेज
इन्दौर (म.प्र.)

सारांश

मनुष्य एक ऐसा प्राणी है जो दिन-प्रतिदिन परिवर्तन, आविष्कार, खोज व अनुसंधान में प्रयत्नशील रहता है और उसकी ज्ञान की खोज की क्षुधा कभी संतुष्ट नहीं होती है अतः इसी व्यवहार के कारण दिन-प्रतिदिन सूचनाओं, तथ्यों, सिद्धान्तों, प्रक्रिया विधियों, संकल्पनाओं आदि को सीखने के लिए प्रयत्नरत रहता है कम्प्यूटर शैक्षिक तकनीकी का सशक्त और प्रभावशील उपागम है। कम्प्यूटर का उपयोग शिक्षण तथा अनुदेशन में छात्रों को शिक्षण अधिगम करवाने तथा मूल्यांकन के द्वारा छात्रों में निहित कमजोरियों का अन्वेषण करने में किया जाता है। प्रतिमान अनुभव का एक ऐसा समूह है जिसकी रचना अधिगमकर्ताओं के द्वारा निर्दिष्ट या विशिष्ट उद्देश्यों को प्रदर्शित करने में सहायता प्रदान करती है। इस शोध कार्य का उद्देश्य था कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूह के छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया की तुलना के आधार पर मूल्यांकन करना। इसकी परिकल्पना कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूह के छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया के माध्यों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा। प्रस्तुत शोध की प्रकृति प्रयोगात्मक थी। न्यादर्श का चयन किड्स केयर हा. सै. स्कूल राऊ में कक्षा ९वीं के तीन वर्गों में से सरल यादृच्छिक विधि से १०० विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदत्त विश्लेषण स्वतंत्र टी परीक्षण का उपयोग किया गया। इस शोध से प्राप्त निष्कर्ष छात्रएवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के सन्दर्भ में कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान को एक समान पाया गया ।

प्रस्तावना

मनुष्य एक ऐसा प्राणी है जो दिन-प्रतिदिन परिवर्तन, आविष्कार, खोज व अनुसंधान में प्रयत्नशील रहता है और उसकी ज्ञान की खोज की क्षुधा कभी संतुष्ट नहीं होती है अतः इसी व्यवहार के कारण दिन-प्रतिदिन सूचनाओं, तथ्यों, सिद्धान्तों, प्रक्रिया विधियों, संकल्पनाओं आदि को सीखने के लिए प्रयत्नरत रहता है और उसे इन जानकारियों को प्राप्त करने के लिए कोई एक माध्यम का उपयोग सीमित लगता है जिसको कि पूर्ण करने के लिए वह हर सम्भव प्रयास कर रहा है। परिणामस्वरूप शिक्षा जगत भी सूचनाओं का एक विशाल भण्डार बन गया है, जिन्हें प्राप्त करने के लिए भिन्न-भिन्न आयामों की खोज करनी होती है। इन आयामों को खोजने में सबसे अधिक सहायता विज्ञान एवं तकनीकी ने की है। जिस प्रकार ज्ञान के क्षेत्र में वृद्धि हुई, उससे अधिक तीव्रता से तकनीकी के क्षेत्र में प्रगति हुई है क्योंकि तकनीकी के अधिकतम उपयोग से मानव का जीवन सरल व सुगम बन गया है । मनुष्य के प्रत्येक पहलू जैसे कि सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, पारिवारिक यहां तक कि शिक्षा जगत में भी तकनीकी का ही अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। उदहारण के लिए कम्प्यूटर, इन्टरनेट, इत्यादि।

कम्प्यूटर से शिक्षण–प्रक्रिया

अनुदेशनात्मक शिक्षा तकनीकी क्षेत्र बहुत विस्तृत है। वर्तमान में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों से अनुदेशन प्रदान करके शिक्षण कार्य किए जा रहे हैं। कम्प्यूटर ने ज्यों-ज्यों पैरों को फैलाया, त्यों-त्यों मनोवैज्ञानिकों की दृष्टि इसके ऊपर गहन रूप में पड़ने लगी। मनोवैज्ञानिक इस मशीन का प्रयोग शिक्षण में करना चाहते थे। इस हेतु १९६५-६६ के लगभग डेनियल डेविज़ नामक विद्वान ने एक जटिल शिक्षण प्रक्रिया को कम्प्यूटर के द्वारा हल किया। इसमें उन्होंने शिक्षण के स्थान पर कम्प्यूटर को स्थापित किया तथा अनुदेशन के प्रस्तुतीकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। प्राप्त सकारात्मक परिणामों के आधार पर कम्प्यूटर अनुदेशन प्रक्रिया को दो भागों में विभाजित किया गया अ) पूर्व अनुवर्ग शिक्षण व्यवस्था ब) अनुवर्ग शिक्षण व्यवस्था। कम्प्यूटर शिक्षण प्रक्रिया को विकास की ओर गति देने वाले लारेस स्टोलुरो और डेनियल प्रमुख थे।

कम्प्यूटर शैक्षिक तकनीकी का सशक्त और प्रभावशील उपागम है। कम्प्यूटर का उपयोग शिक्षण तथा अनुदेशन में छात्रों को शिक्षण अधिगम करवाने तथा मूल्यांकन के द्वारा छात्रों में निहित कमजोरियों का अन्वेषण करने में किया जाता है। कम्प्यूटर एक स्वतः अनुदेशनात्मक विधि है। अतः बालक की कमजोरी को ढूंढ़ने तथा उसको दूर करने में इसका विशिष्ट महत्व है। इससे विद्यार्थियों को अनुदेशन प्राप्त होते रहते हैं, जिनका उपयोग वे अधिगम अनुभव करने में करते हैं।

प्रतिमान की परिभाषा

प्रतिमान की अवधारणा को सुस्पष्ट करने के लिए विभिन्न विद्वानों ने प्रतिमान की अलग-अलग परिभाषाएँ दी है।

एरेन्डस एवं सहयोगी (१९७१) के अनुसार - ''प्रतिमान अधिगम क्रियाओं का एक ऐसा समूह है जो छात्रों को उपलब्धि के एक उद्देश्य या उद्देश्यों के एक समूह को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है।''

डब्ल्यु. रॉबर्ट एवं सहयोगी (१९७२) के अनुसार - प्रतिमान अनुभव का एक ऐसा समूह है जिसकी रचना अधिगमकर्ताओं के द्वारा निर्दिष्ट या विशिष्ट उद्देश्यों को प्रदर्शित करने में सहायता प्रदान करती है।

संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान

मन और मार्गन ने संकल्पना को एक प्रक्रिया के रूप में व्यक्त किया है। जिसके अन्तर्गत समूह या श्रेणी की विशेषताओं या गुणों को व्यक्त किया जाता है।

मन के अनुसार - ''संकल्पना वह प्रक्रिया है जो विभिन्न वस्तुओं, स्थितियों या घटनाओं में उपस्थित समानताओं का प्रतिनिधित्व करती है।'' मार्गन ने संकल्पना को परिभाषित करते हुये लिखा है कि ''वस्तुओं या घटनाओं की समान विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रक्रिया संकल्पना कहलाती है।''

संस्कृत व्याकरण में प्रतिमान विकसित करने के उद्देश्य

१.छात्रों को व्याकरण की संकल्पनाओं के बारे में तार्किक एवं वैज्ञानिक ढंग से सोचने हेतु समर्थ बनाना।
२.विभिन्न उदाहरणों के प्रस्तुतीकरण से छात्रों में रचनात्मक चिन्तन का विकास करना।
३.छात्रो को स्व अधिगम के द्वारा आत्मनिर्भर बनाना।

व्याकरण की शिक्षा अधिकांशतः व्यावहरिकता से कोसों दूर अरूचिपूर्ण एवं अमूर्त होती है। विशेषकर विद्यालयीन व्याकरण संबंधी पाठ्य पुस्तकें बोझ एवं नीरस लगते है। वे इन पुस्तको का अध्ययन परीक्षा के मय से मजबूरीवश रटकर करते है जिससे उनके संकल्पना का स्पष्टीकरण नहीं हो पाता है। अतः इसी कारण कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान का विकास किया गया।

औचित्य

विभिन्न स्त्रोतों से खोजबीन करने के पश्चात् यह ज्ञात हुआ है कि प्रतिमान एक अत्यन्त नवीन प्रणाली है इसके द्वारा व्याकरण विषय को रुचिकर बनाया जा सकता हैं। अतः इससे संबंधित बहुत ही कम शोध की जानकारी प्राप्त हुई है। निम्न शोध द्वारा प्रतिमान पर किये गये कार्य की जानकारी उपलब्ध की गयी है। इसके अंतर्गत- हाउडन (१९४०) , शाह (१९६४) ,मन्जुला

(१६६६) ,चन्द्रकला (१६७६) ,एन्थनी (१६८०) ,रालिन्स (१६८०) , कीन्ने (१६८०), एन्थनी (१६८०) , ग्रेगरी ;१६८१द्ध ,कृष्णन (१६८१) , स्नेडम और हिंगीस (१६८२) ,पाल (१६८३) ,विसन (१६८३) ,शाह (१६८४) ,गांगुली और गुरूमूर्ति (१६८५), कुमार (१६८५) , मनोचा ;१६६०द्धए पात्रा ;१६६२द्ध ने संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान की प्रभाविता का अध्ययन किया। लेकिन अभी तक कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान पर कोई भी श्शोध कार्य नही हुआ है। इस लिए श्शोधर्थी के द्वारा इस विषय का चयन किया गया।

उद्देश्य

कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूहके छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया की तुलना के आधार पर मूल्यांकन करना।

परिकल्पना

कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूह के छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया के माध्यों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।

शोध का प्रकार

शोध अध्ययन की प्रकृति प्रयोगात्मक थी।

न्यादर्श

जिसमें प्रायोगिक समूह के लिए किड्स केयर हा. सै. स्कूल राऊ में कक्षा ६वीं के तीन वर्ग थे। जिसमें से १०० विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया।

तालिका क्रमांक 1.1
प्रयोगात्मक समूह हेतु संस्थावार न्यादर्श

क्र.	संस्था का नाम	समूह	छात्र	छात्रायें	योग
1	किड्स केयर हा. सै. स्कूल	प्रयोगात्मक	50	50	100
		योग			100

उपकरण– प्रतिक्रिया मापनी

विद्यार्थियों की कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रतिक्रिया का मापन करने के लिए प्रतिक्रिया मापनी का निर्माण शोधार्थी द्वारा किया गया था। इस मापनी में सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार के कुल ३० कथन थे। ये कथन कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के विभिन्न पक्षों जैसे– कम्प्यूटर द्वारा संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान से संस्कृत व्याकरण पढ़ना अच्छा लगता है , कम्प्यूटर के द्वारा पढ़ने के कारण कक्षा में हमेशा सक्रिय रहता हूँ और विषय वस्तु लम्बें समय तक याद रहती है आदि से सम्बन्धित कथन थे। प्रत्येक कथन के सामने पाँच बिन्दु पूर्णतः सहमत , सहमत , अनिश्चित , असहमत , तथा पूर्णतः असहमत दिए गये थे। विद्यार्थियों को प्रत्येक कथन के समक्ष दी हुई रेंटिग स्केल के किसी एक बिंदु पर सही निशान लगाने के लिए कहा गया था। विद्यार्थियों को प्रतिकिया देने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। इसके लिए पर्याप्त समय दिया गया। इसके लिए कोई समय सीमा निधारित नहीं थी।

सकारात्मक एवं नकारात्मक कथनों को भी निम्न तालिका 1.2 में प्रदर्शित किया गया था।

प्रतिक्रिया श्रेणी	सकारात्मक कथन का भार	नकारात्मक कथन का भार
पूर्णतः सहमत	०५	०१
सहमत	०४	०२
अनिश्चित	०३	०३
असहमत	०२	०४
पूर्णतः असहमत	०१	०५

प्रदत्त संकलन की प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रदत्तों के संग्रहण हेतु किड्स केयर हा. सै. स्कूल राऊ के विद्यालय का चयन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को कम्प्यूटर आधारित अधिगम सामग्री द्वारा अध्यापन कराया गया । तथा इस कम्प्यूटर आधारित अधिगम सामग्री के प्रति विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए उन से प्रतिक्रिया मापनी भरवाई गयी इस के लिए समय सीमा एक घण्टा रखी गयी । इस प्रकार प्रदत्तों का संकलन किया।

प्रदत्त विश्लेषण

वर्तमान शोध अध्ययन के लिए सांख्यिकीय प्रविधियों का उद्देश्यवार उपयोग किया गया , जो निम्नानुसार है–

कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूहके छात्रएवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के माध्योंकी तुलना हेतु स्वतंत्र टी परीक्षण का उपयोग किया गया।

परिणाम एवं व्याख्या

प्रदत्त विश्लेषण से प्राप्त परिणाम को नीचे सारणी में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका विद्यार्थियों के लिंगवार न्यादर्श संख्या, कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूहके छात्रएवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के माध्य फलांक, मानक विचलन एवं 'टी' मूल्य को प्रदर्शित करती तालिका–

लिंग	न्यादर्श संख्या	माध्य	मनक विचलन	स्वतंत्रता की कोटी	'टी' मूल्य	सार्थकता स्तर
छात्र	५०	६८.५३	८.४५	९८	१	०.०६६
छात्राएँ	५०	६६.५९	७.९८		.६६	

०.०५ सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं

तलिकासे स्पष्ट है कि लिंग के लिए 'टी' का मान १.६६ है,जिसके लिए स्वतंत्रता की कोटि–९८ , द्वि–पुच्छीय सार्थकता का मान ०.०६६ है, जो कि ०.०५ से बड़ा है, अतः गणना से प्राप्त 'टी'का मान स्वतंत्रता की कोटी–९८तथा ०.०५ सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है अर्थात् छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के माध्य फलांको में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः इस स्थिति में श्शून्य परिकल्पना " कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूह के छात्र एवं छात्राओं की प्रतिक्रिया के माध्यों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं है " निरस्त नहीं की जाता हैं। अतः निष्कर्षष्रूप से कहा जा सकता है कि कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान के प्रति प्रायोगिक समूहके छात्रएवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के माध्यों के बीच कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया अर्थात् छात्रएवं छात्राओं की प्रतिक्रियाओं के सन्दर्भ में कम्प्यूटर आधारित संकल्पना प्राप्ति प्रतिमान को एक समान पाया गया ।

सन्दर्भ–

१.कुलश्रेष्ठ, एस. पी. (२००६). शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार. आगराः विनोद पुस्तक मन्दिर.

२.गुप्ता, एस. पी. एवं गुप्ता , ए ,(२०१०). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन.

३.तिवारी , एम. के. (१९९४). भूमिका निर्वाह प्रतिमान की प्रभाविकता का छात्रों की समानुभूति , उपलब्धि तथा प्रतिक्रिया के संदर्भ में अध्ययन , अप्रकाशित , एम. एड. (शिक्षा). लघु शोध प्रबंध, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय , इन्दौर

४.दुबे , एस ,(२००८). मूल्य शिक्षा इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन.

५.शर्मा , आर. ए (१९६९). अनुदेशनात्मक एवं शिक्षण तकनीकी , मेरठः आर , लाल बुक डिपो.

६.शर्मा , आर. ए (१९८३). शिक्षण अधिगम में नवीन प्रवर्तन. मेरठः लायक बुक डिपो.

७.सिंह , ए. के. (२००६) , उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान. नई दिल्लीः मोतीलाल बनारसीदास.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org